Title: Regarding the detriorating condition of internal security in the country especially the recent killings in North East and Jammu and Kashmir and the steps taken by the government in regard thereto.

Shri L.K. Advani">SHRI RAJESH PILOT (DAUSA): Sir, I call the attention of the Minister of Home Affairs to the following matter of urgent public importance and request that he may make a statement thereon:

"The deteriorating condition of internal security in the country especially the recent killings in North East and Jammu and Kashmir and the steps taken by the Government in regard thereto."

>THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI L.K. ADVANI): Sir, the overall security situation in the country has not deteriorated. However, the areas of concern are Pak-guided insurgency in Jammu and Kashmir, the subversive activities of militant groups in the North East and the violence perpetrated by the Left Wing extremist groups...(Interruptions)

DR. T. SUBBARAMI REDDY (VISAKHAPATNAM): Sir, what about Andhra Pradesh?

SHRI L.K. ADVANI: I have included that. Some positive results are discernible in Jammu and Kashmir. The number of violent incidents in the State is on the decline. There have also been a large number of arrests and recovery of weapons and explosives. An Action Plan involving, inter alia, measures to curb infiltration, counter-militancy in the hinterland, protection of minorities, enhanced intelligence capabilities, greater functional integration and coordination amongst security forces, greater interaction with border population and technological upgradation of security forces has been launched to tackle militancy. These efforts are coordinated and overseen by the two Unified Headquarters at Jammu and Srinagar which are headed by the Chief Minister. Periodic reviews are also carried out at the State Government and Central Government levels. Support from Pakistan for the terrorists/foreign mercenaries, however, continues undiminished.

The militants in Jammu and Kashmir have enlarged the area of violence to Jammu region. The killings in Doda district of Jammu and Kashmir in July, 1998 and in Chamba district of Himachal Pradesh in August, 1998 have been condemned by all. Security in these areas has been tightened. The State Government of Jammu and Kashmir has been providing an ex-gratia grant of rupees one lakh each to the next of kin of those killed and Rs.50,000 to each of that injured in acts of terrorist violence and these ex-gratia payments are subsequently reimbursed by the Central Government.

The total number of persons killed in insurgency-related violence in the North East has shown a decline this year, from 1655 in 1997 to 1262 in 1998 (upto December 2). Four States in the North East are, at present, affected by insurgency. These are Assam, Manipur, Nagaland and Tripura. Though there has been an increase in incidents of violence in Assam and Tripura, the situation in Manipur and Nagaland has shown signs of improvement. In Manipur, 79 civilians have been killed this year as against 233 in 1997.

In Nagaland, where there is an ongoing ceasefire between the Government of India and the NSCN (I/M), there is a significant improvement. Only 25 civilians were killed in Nagaland this year as compared to 92 in 1997. The number of civilians killed in Tripura during 1998 is 200 as against 205 during 1997. However, the number of civilians killed in Assam has gone up from 285 in 1997 to 463 in 1998. The Government of India is closely monitoring the situation and is rendering necessary assistance to the State Governments concerned.

Insurgency in the North East has never been looked upon only as a law and order problem. The strategy to curb insurgency includes a willingness to meet and discuss legitimate grievances; resolve that violence would not be tolerated; friendly relations with neighbouring countries; accelerated infrastructural development; stress on employment schemes; and good governance and decentralisation.

Left wing extremism continues to remain a disruptive force, especially in parts of Andhra Pradesh and Bihar. However, Left wing extremist violence has shown a downward trend in terms of the number of incidents. the number of persons killed during the current year (up to November, 1998) was 466 as against 584 in 1997 and 541 in 1996. Andhra Pradesh and Bihar are the major theatres of Left wing extremists activity accounting for the

bulk of incidents and casualities. Special assistance is being given by the Central Government to the States seriously affected by Left wing extremism.

The activities of the Sikh extremists in Punjab and neighbouring States remain at a low ebb.

The communal situation in the country is under control. The number of deaths in communal violence in the country this year has been the lowest in the last ten years.

श्री राजेश पायलट : अध्यक्ष महोदय, जब यह कालिंग अटैंशन डाला गया था तब यह ख्याल था कि सरकार का ध्यान वास्तविकता की तरफ लायें। माननीय गृह मंत्री जी मानेंगे कि यह फिगर चलती रहती हैं और आती रहती हैं लेकिन देश में जो एक परसेप्शन होता है, वह सबसे जरूरी होता है। आप माने या न माने लेकिन आपने क्रेडिट लिया है कि त्रिपुरा में पिछले साल १९९७ में २०५ डेथ हुई थीं और इस साल १९९८ में २०० डेथ हुई हैं यानी पांच कम हुई हैं। वह भी आपने स्टेटमैंट में क्रेडिट लिया है।

It is there. He says that the number of civilians killed in Tripura during 1998 is 200 as against 205 during 1997.

1312 hours (Mr. Deputy-Speaker in the Chair)

The situation has so improved that the number of deaths has come down by 5. It is there in the statement of yours. It is your statement - the number of civilians killed in Tripura during 1998 is 200 as against 205 during 1997.

SHRI L.K. ADVANI: I have not called it improvement. ... (Interruptions)

SHRI RAJESH PILOT : I am just telling the perception.

परसेप्शन देश में इन फिगर्स से नहीं होता कि २०० या २०५ मरे हैं। इस फिगर्स पर क्रेडिबिलिटी फाइल में तो ले सकते हैं लेकिन हम और आप नुमांइदे लेकर ... (व्यवधान)

SHRI L.K. ADVANI: Statement also says that though there has been an increase in incidents of violence in Assam and Tripura...

SHRI RAJESH PILOT : I agree. But this is also there in your statement. ... (Interruptions)

SHRI L.K. ADVANI: I have given the figures. But, I have not called it improvement.

श्री राजेश पायलट : उपाध्यक्ष महोदय, आज देश में जो परसेप्शन है, वह यह है कि एक्टीविटीज बढ़ी हैं। आप इसको फिगर से माने या न माने लेकिन आम आदमी से पूछे तो आंतरिक सुरक्षा के बारे में हरेक के मन में एक शक खड़ा हो गया है कि आखिर हमारी आंतरिक सुरक्षा है या नहीं है। अगर गृह मंत्री जी को याद हो, तो सरकार में कोशिश की गई थी-हमारे दोनों बॉर्डर, मैं समझता हूं कि तकलीफ है। मैं नहीं समझता कि इतना आसान काम है कि सारी चीजें एक दिन में ठीक हो सकती हैं और सारी चीजें एक दिन में ठीक हों। जो भी सरकार आती हैं, उसके सामने तकलीफ होती हैं चाहे हम हों या आप हों लेकिन जो प्रयास सरकार की तरफ से दिखना चाहिए, वह नहीं दिख रहा है। इसलिए आज हम कालिंग अटैंशन आपके सामने लेकर आये हैं। दोनों बॉर्डर चाहे नेपाल का बॉर्डर हो चाहे बंगलादेश का बॉर्डर हो, एक ट्रीटी पर दस्तख्स्त किये गये थे कि ये बॉर्डर हमें सबसे ज्यादा नुकसान दे रहे हैं। नेपाल का बॉर्डर इतना खुला हुआ है कि अगर पाकिस्तान के किसी मिलिटैंट को आना हो तो वह कश्मीर के रास्ते से न आकर नेपाल के थ्रू जाना पसंद करेगा। इस बारे में हमारी नेपाल गवर्नमैंट से भी कई बार बात हुई है। उन्होंने प्लान बनाया था लेकिन मुझे उसका पूरा ज्ञान नहीं है कि वह कहां तक सफल हुआ है। आज भी नेपाल का बॉर्डर काफी खुला है। वहां न तो मैनपावर है और जो तारबंदी की बात हुई थी, वह भी नहीं हो पाई है।

जहां तक बंगलादेश का बॉर्डर है, इसके बारे में कई बार सरकार के लैवल पर बातचीत हुई है और हमारी जो पैरामिलिट्री फोर्स की मीटिंग होती हैं, उसमें भी बातचीत चलती थी।

बंगलादेश होकर जितनी भी एम्युनीशन आती है, चाहे आर.डी.एक्स. हो, चाहे आई.डीज़. हों, ये सब उसी रूट से आती हैं, जो बंगलादेश के सी शोर से लेकर त्रिपुरा और मिजोरम होते हुए नागालौंड, मणिपुर तक पहुंचती हैं। इस ट्रैक पर आर्मी वालों ने दो बार बहुत अच्छा काम किया, जिसमें १००-१२५ मिलिटेंटस पकड़े गये थे। उसके बाद हमने बंगलादेश सरकार से बहुत सख्ती से इस बात को कहा। वहां पर काक्स बाजार एक सी पोर्ट है, जहां से इनकी सारी सप्लाई होती है। बंगलादेश सरकार से यह बातचीत चल रही थी कि काक्स बाजार से जितनी सप्लाई मिजोरम और अगरतला ट्रैक पर जाती है, उस पर सरकार रोक लगाएगी। मुझे पता नहीं कि उस संधि के हिसाब से आज काम हो रहा है या नहीं हो रहा है, लेकिन यह सच्चाई है। आज एन.एस.सी.एन.आई. और गवर्नमेंट के बीच में सीज़ फायर है, नागालैंड मिलिटेंटस आर्गेनाइजेशन में सीज़ फायर चल रहा है, लेकिन आज भी एम्युनीशन आ रहा है। बल्कि मुझे तो यह खबर है कि ज्यादा आ रहा है, सीज़ फायर से पहले जितने चैक मेट थे, क्योंकि आर्मी सोचती है कि उन्होंने सीज़ फायर कर ली है,

The Army does not feel responsible for that and if the Army takes strong action, then the cease-fire gets violated.

आज एम्युनीशन और ज्यादा मात्रा में इसी ट्रैक से आकर दोनों प्रदेशों में आ रहा है और मैं नहीं समझता, मुझे ज्ञान नहीं है कि उसमें कितनी प्रोग्रैस हुई है और क्या सरकार की तरफ से उसमें प्रतिबन्ध लगे हैं कि हमारा वह ट्रैक आइसोलेट हो। जब तक वह ट्रैक आइसोलेट नहीं होगा, पूरे का पूरा नोर्थ ईस्ट का हमारा उसी तरीके से चलता रहेगा। माननीय मंत्री जी ने खुद माना है कि चाहे आन्ध्र प्रदेश की बात हो, चाहे बिहार की बात हो, उन्होंने कहा है कि नक्सलाइट मूवमेंट और एक्सट्रीमिस्टस ने यहां कुछ हरारतें की हैं और वहां पर हालात बिगड़े हैं। माननीय मंत्री जी ने इंटरनल सिक्योरिटी को एक साउंड पोजीशन में बताया है, मेरी दो ही बातें माननीय मंत्री जी से हैं, यह बात सच्ची है कि यह बहुत बड़ा काम है, बहुत कठिन काम है और इसके लिए सबसे बड़ी बात क्या हो रही है कि हमारा जो सिस्टम है, इंस्टीटयूशंस हैं, उनमें कुछ कमजोरी आई। कमजोरी क्यों आई, एक तो हमारे कोआर्डीनेशन में कमी रहती थी, हमारी इंस्टीटयूशंस में आपस में कोआर्डीनेशन नहीं होता था। हम लोगों ने एक प्रयास किया था कि इंटेलीजेंस ब्यूरो, एजेंसीज़ और स्टेट के जो चैनल्स हैं, ये ज्यादा से ज्यादा कोआर्डीनेट करें। इनके जो चैनल्स बनाये थे, उन चैनल्स से खबर आती थी, जिस पर तीनों आपस में बैठकर बात करते थे और आई.बी. से कोआर्डीनेशन की इतनी कोशिश की थी, मैं मानता हूं कि उस वक्त पूरी न चली हो, लेकिन एक कोशिश की गई थी कि आई.बी. के चैनल्स इतने अप-टू-डेट रहें, सारे सोर्स से डिसट्रिक्ट लेवल से लेकर स्टेट लेवल और नेशनल लेवल तक एक स्कीम बनाई थी, माननीय मंत्री जी को पता होगा, वह स्कीम अभी लागू है या नहीं है, क्योंकि हम यह महसूस करते थे कि कश्मीर से जोइनिंग जितने भी नोर्दर्न स्टेटस हैं, इनमें भी अन्दरूनी सिक्योरिटी पर इसका डायरैक्ट इम्पैक्ट पड़ता है, मिलिटेंसी का डायरैक्ट इफैक्ट पड़ता है। जो एक जोनल कोआर्डीनेशन बनाया था, मुझे पता नहीं कि वह फंक्शन कर रहे हैं या नहीं कर रहे हैं, लेकिन आई.बी. की तरफ से इसमें इतनी सपोर्ट मिली थी कि कश्मीर में जोनल मीटिंग्स की वजह से अच्छा कोआर्डीनेशन मीटिंग्स की वजह से एक इम्प्रूवमेंट आया था। मुझे आज पता नहीं कि वे सिस्टम्स काम कर रहे हैं या नहीं कर रहे हैं, वह माननीय मंत्री जी बता सकेंगे।

जहां तक आई.बी. की और इन्फोर्मेशन की बात है, कल मैं एशियन एज में पढ़ रहा था, उसमें किसी ऐसे मिलिटेंट का फोटो छपा है, जिसको ढूंढने के लिए डेढ़ दो साल से सारी एजेंसीज़ कोशिश कर रही हैं। उसका फोटो छप गया, लेकिन अब तक उसकी इन्फोर्मेशन नहीं ले पाये हैं कि वह मिलिटेंट वाकई कहां है और किस जगह पर है।

You can make out how coordination is lacking in our agencies.

माननीय मंत्री जी ने जम्मू-कश्मीर के बारे में जिक्र किया है कि जम्मू-कश्मीर में हालात सुधरे हैं। आप फीगर्स उठा लें, मेरे पास तो लेटेस्ट फीगर्स हैं नहीं, लेकिन १९९६, १९९७ और १९९८ के विशेषकर कश्मीर के फीगर्स में कोई खास फर्क नहीं आया। कश्मीर के हालात बाहरी तौर पर दिख सकते हैं कि सुधर रहे हैं, लेकिन मुझे जो इत्तला है, थोड़ी-बहुत खबर है, मेरा अंदाज है कि इन्फिल्ट्रेशन बढ़ रहा है। कुपवाड़ा बोर्डर पर आज भी इन्फिल्ट्रेशन बढ़ रहा है। वहां एक लोलाब गांव है, जहां कुछ लोग कुछ दिन पहले पकड़े गये थे। उनसे पता लगा कि आज भी पी.ओ.के. में करीब ७२ कैम्प्स चल रहे हैं, पाकिस्तान के बोर्डर पर पाकिस्तान में करीब ८५ कैम्प्स चल रहे हैं और अफगान बोर्डर पर भी २१ कैम्प्स चल रहे हैं। आज भी, इस वक्त १७८ कैम्प उस सीमा पर लग रहे हैं, यह इन्फोर्मेशन लोलाब में पकड़े गये लोगों से मिली थी, जो लोकल लोगों को पता है, जो आम आदमियों को खबर है कि आज भी वहां कैम्प चल रहे हैं और इन्फिल्ट्रेशन इतनी बढ़ गई है कि कुपवाड़ा के आसपास के गांवों के लोग मिसिंग हैं, नौजवान मिसिंग हैं, वे नौजवानों को ले गये हैं तभी तो मिसिंग है। बाहर से लग सकता है कि कश्मीर शान्त है, लेकिन मेरी जो अपनी खबर लोगों से मिल रही है, आज भी वहां इन्फिल्ट्रेशन बढ़ रही है और वही १९९१-९२ वाली भावना दोबारा उठकर आ रही है। शायद आंकड़ों में इन्फिल्ट्रेशन नहीं बढ़ रही हो, आर्मी भी कह रही हो कि हम क्यों इनसे लड़ते रहें, आर्मी को लड़ते-लड़ते दस साल हो गये हैं। आर्मी सख्ती करती है तो स्टेट गवर्नमेंट कहती है कि ज्यादा सख्ती हो रही है। किसी के खिलाफ कार्रवाई हो जाये तो उसके कनैक्शन कहीं मिलते हैं, फिर आर्मी को पनिशमेंट देना पड़ता है। वहां आर्मी भी थोड़ी ढीली भावना से चल रही है।

चलने दो, देखेंगे, तो वह भी इतनी सख्ती नहीं कर रही है, जितनी करनी चाहिए इसलिए पिछले सात-आठ महीनों में इतनी इन्फिलट्रेशन बढ़ी है। जब १९९१-९२ के हालात थे तो वैली के बारे में कहा जाता था, जार्ज फर्नांडीज जी और आप जब इधर बैठते थे, तो कहते थे कि वैली से माइग्रेंट बहुत बढ़ा है। उस समय बढ़ा भी था, इसमें कोई गलत बात नहीं है, मिलीटेंसी थोड़ी बढ़ गई थी इसलिए लोग वहां से चले गए थे। लेकिन आज तो जम्मू जैसी जगह से भी माइग्रेंट चल रहा है। हमारे जमाने में वैली में हालात खराब थे। हमने कोशिश की सुधारने की, लेकिन हम पर आरोप था कि माइग्रेंटस बढ़ रहे हैं। आज आपके राज में तो जम्मू से लोग जा रहे हैं। हमारे समय में जम्मू से माइग्रेंट नहीं हुआ था, वैली से आकर लोग जम्मू में सैटल हुआ करते थे। अब तो जम्मू से भी माइग्रेंट हो रहा है और सारे अल्पसंख्यक जा रहे हैं, जो वहां रहते हैं, यह सोचने की बात है। १९९१-९२ में बहुत बुरा वक्त था, कश्मीर में, लेकिन राजौरी, पुंछ बुरे नहीं थे। डोडा थोड़ा खराब था, लेकिन राजौरी, पुंछ और स्वर्णकोट में यह बीमारी नहीं पहुंची थी। आज आर्मी कैम्प पर आटैक हो रहे हैं, स्वर्णकोट पर हो रहे हैं।

In Swarnkot, the Army camp was attacked by militants.

यह डिटोरेशन आया है, इसको लाइलटली न लें। मैं मानता हूं कि मुख्य मंत्री जी हर तीसरे दिन कहते रहते हैं कि वहां सुधार हो रहा है। जब कोई उनसे बात करें तो वे कहते हैं कि सेंटर मदद नहीं कर रहा है। लेकिन सच्चाई यह है कि जो इम्पैक्ट कश्मीर में होना चाहिए था, वह नहीं हो रहा है। इसमें क्या सेंट्रल एजेंसी की कमी है, क्या राज्य सरकार की कमी है, मैं उसमें नहीं जाना चाहता। लेकिन बोर्डर पर जो इम्पैक्ट होना चाहिए, वह नहीं हुआ है। राजौरी, पुंछ के हालात बिगड़े हैं। डोडा में किलींग्स हुईं। आप भी वहां गए थे, मैं भी गया था। आपको कारणात पता लगे कि जो चैक पोस्ट बननी थी, वहां भी हमारे आदमी नहीं पहुंचे थे। गांव वाले नीचे आकर बताकर गए थे कि मिलीटेंटस यहां दस दिनों से रह रहे हैं, हम उनको दूध और दावत देकर खुश कर रहे हैं, पता नहीं वह किसी भी दिन हमें आकर मार सकते हैं, लेकिन किसी ने नहीं सुना और ये किलींग्स हुईं।

आपने यूनिफाइड कमान की बात कही है कि वह वहां चल रहा है। पता नहीं किस हिसाब से चल रही है। लेकिन जिस मकसद के लिए यूनिफाइड कमान बनाई थी, वह पूरा नहीं हो रहा है। मैं इतना ही कहना चाहूंगा कि इसमें कुछ इफेक्टिवनैस लाएं। आपने कहा है कि वहां के मुख्य मंत्री साहब यूनिफाइड कमान को हैड कर रहे हैं। उनसे जरा पूछिए कि पिछले सात-आठ महीनों में कितनी मीटिंग्स की हैं, कौन-कौन सी एजेंसी उसमें आईं हैं और कौन-कौन लोग उस मीटिंग में बैठे हैं। हमने इसीलिए आर्मी को यूनिफाइड कमान में रखा था कि आर्मी और उसकी इन्फार्मेशन, इंटेलिजेंस ब्यूरो और स्टेट पुलिस उनके साथ कोर्डिनेट करके उसमें

इफेक्टिवनैस लाए। इसलिए हमने आर्मी को यूनिफाइड कमान को रखा था। आपने मुख्य मंत्री जी को उसका चैयरमैन बनाया है, मैं नहीं जानता कि उसमें कितनी तरक्की हुई है।

आपने सुधार का जिक्र किया है। हमने अखबारों में पढ़ा कि कश्मीर में हथियारों की आमद बढ़ी है और वे अप-टू-डेट हो गए हैं तथा आधुनिक उपकरण भी आ गए हैं। १९९० से १९९७ तक वहां माइक्रोलाइट कभी नहीं देखी गई थी। कहीं हमने अखबार में देखा कि आपको बी.एस.एफ. वाले माइक्रोलाइट दिखा रहे हैं, ये कहां से आ रही हैं? आई.डी.एस. कितनी बढ़ गई है, कितने उनके माडर्न वैपन्स बढ़ गए हैं, इनका कोई सोर्स है, कोई तो इनका इनलैटसैं। यह सोचना कि कश्मीर में सुधार हुआ है, मैं समझता हूं कि चुनाव हुआ, लोगों में आशा बढ़ा, अब सरकार कोशिश कर रही है, लेकिन आज भी गौर करने वाली बात है कि जिस तरीके से इन्फिलट्रेशन बढ़ रही है, माडर्न वैपन्स बढ़ रहे हैं, सरकार उसके बारे में क्या कदम उठा रही है? जितने इंसिडेंटस हुए हैं, सारे आई.डी.एस. के हुए हैं। जिस तरीके आर्मी पर अटैक हुए हैं, वे आई.डी.एस. के हुए हैं। कश्मीर के मामले में मंत्री जी आपको थोड़ा और ध्यान देना होगा, खासकर राजौरी, पुंछ और स्वर्णकोट सेक्टर के जो हालात बिगड़े हैं, वे क्यों बिगड़े हैं, इस पर गौर करना होगा। यहां के लोग हमेशा उनका विरोध करते रहे जो वैली में मिलीटेंटस आते थे, वे राजौरी-पुंछ में नहीं पहुंच पाते थे। आज दुख के साथ कहना पड़ता है कि इन तीन जिले भी उसी लाइन पर चल रहे हैं, जिस पर वैली चल रही थी।

मुगल रोड प्रोजेक्ट के बारे में बातचीत हुई थी, पता नहीं उसमें कितनी प्रोग्रैस हुई है। लेकिन आपने और जम्मू-कश्मीर के मुख्य मंत्री जी ने वादा किया था कि जम्मू-कश्मीर में आटोनोमी की बात करेंगे। लोगों के दिलों में यह बात घर कर गई थी, लेकिन आपने इस सम्बन्ध में कुछ नहीं किया। १९९० में हमारे समय में हमें पता चला था कि कुछ शिकायतें आई हैं, हमने उसको गम्भीरता से नहीं लिया और कश्मीर के हालात बिगड़े। आप अब कह रहे हैं कि कश्मीर में सुधार महसूस करते हैं, लेकिन उसके कुछ पहलू हैं, आटोनोमी की बात बहुत दिनों से चल रही है, उसका क्या हुआ, यह बताना चाहिए। मुख्य मंत्री साहब ने कहा था कि हम बहुत जल्द कमेटी बनाकर कुछ करेंगे। लोगों के मन में एक बात है कि चुनाव से पहले लोग वादा करते हैं, लेकिन निभाते नहीं हैं। यह कश्मीर में नहीं चलेगा, कश्मीर के लोगों की इस पर बहुत नजर है।

जहां तक नार्थ-ईस्ट की बात है, सारा सदन मुझसे सहमत होगा। आसाम के कई लोग यहां बैठे हैं, आज आसाम में हालात बिगड़ते जा रहे हैं, पूरे नार्थ-ईस्ट में हालात बिगड़ते जा रहे हैं। आपकी एल.एस.सी.एन(आई) से सीज़-फायर की जो बात हो रही थी, पता नहीं आप उसमें कितने आगे बढ़े हैं। आपको हाउस को भी कोन्फिडेंस में लेना चाहिए। यह एक नेशनल इश्यू है। आपको बताना चाहिए कि उसमें कुछ प्रौग्रेस हो रही है या नहीं। उसमें एक पहलू यह भी चल रहा है कि मिलिटेंटस सीज़-फायर चाहते हैं जिससे वे अपनी शक्ति को दुबारा बटोरकर इकट्ठा कर लें। अगर उनकी शक्ति बढ़ती है तो इसमें हमें नुकसान होता है।

श्री सानछुमा खुंगुर बैसीमुथियारी (कोकराझार) : इस पर बात करनी है तो दिल से बात कीजिए, मुंह से नहीं।

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please do not interrupt now.

... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: No interruption please.

... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Pilot has to seek the clarification and not you. Please do not interrupt now.

... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Let him finish, please.

... (Interruptions)

SHRI ABDUL HAMID (DHUBRI): Sir, this is a very serious matter... (Interruptions) The hon. Home Minister should make a statement on the floor of the House with regard to Assam only... (Interruptions) Sir, Assam is burning ... (Interruptions) Within seven days, 38 people have been killed in the bomb blasts... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Pilot is seeking clarification, please do not interrupt him.

श्री राजेश पायलट : सर, यह बात सही है और माननीय मंत्री जी ने भी अपने बयान में नार्थ-ईस्ट की बात को माना है।

... (व्यवधान)

हमारे साथी बोडो-लैंड आसाम के बैठे हैं। नार्थ-ईस्ट के बारे में जो कुछ फैसले होते हैं वे सच्चाई से नहीं होते हैं। जब तक हम इनकी परेशानी नहीं समझेंगे और जब तक नीचे तक उनकी भावनाओं को ध्यान में रखकर फैसले नहीं होते, इनकी बात अपनी जगह सही रहेगी।

श्री सानछुमा खुंगुर बैसीमुथियारी : बोडो-लैंड के बारे में बात की है तो दिल से करनी पड़ेगी, मुंह से नहीं।

This Parliament is not a dramatic stage, this is a stage of reality... (Interruptions)

श्री राजेश पायलट : आपकी जो एन.एस.सी.एन (आई) से बात चल रही है उसमें पार्लियामेंट को भी आपको कॉनफिडेंस में लेना पड़ेगा। उसमें क्या प्रौग्रेस हो रही है, वह भी आपको संसद को बताना चाहिए। एक साल होने वाला है, उसमें क्या प्रौग्रेस हुई, यह आपको बताना चाहिए।

... (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please do not interrupt.

श्री राजेश पायलट : करीब एक साल होने वाला है। माननीय मंत्री जी ने भी माना है कि त्रिपुरा, आसाम, नागालैंड और मणिपुर, इन चारों राज्यों में हालात कमजोर हैं। नागालैंड और मणिपुर में चाहे एथीक्स झगड़े हों, लेकिन वहां हालात खराब हैं और मिलिटेंटस भी उसका फायदा उठाते हैं। शिलांग में एक ज्वाइंट इन्फोर्मेशन सेंटर खोला गया है और हर चीफ-मिनिस्टर को सीधे हॉट-लाइन से जोड़ा गया है जिससे यह पता चलता रहे कि हर प्रदेश में क्या तकलीफ चल रही है। उसमें कुछ प्रौग्रेस हुई या नहीं हुई, वह एक्सपैरीमेंट सफल रहा या नहीं, ग़ृह-मंत्री जी उसका जवाब दें। वह इसलिए खोला गया था कि सातों राज्यों की सूचनाओं से हम अप-टू-डेट रहें और दूर के इलाकों की खबरें भी हम तक पहुंचती रहें। लेकिन सच बात यह है कि आसाम के बारे में जो बातें हमारे भाइयों ने की हैं वह सही हैं और पिछले दस दिनों से वहां के हालात बिगड़े हुए हैं। अक्टूबर में वहां १४४ आदमी मारे गये हैं, नवम्बर में १०३ आदमी मारे गये हैं और आज दिसम्बर की २२ तारीख है तथा कल शाम तक ८६ आदमी आसाम में मारे गये हैं। जब एक महीने में इतने आदमी मारे जा रहे हैं तो आप स्टेप्स लीजिए जिससे आम आदमी को भरोसा हो जाए कि सरकार कुछ कर रही है। सरकार की तरफ से कोई असरदार कदम न उठाए जाएं तो हर आदमी के दिल में भावना आती है कि सरकार कामयाब नहीं हो रही है। इसके कारण क्या रहे हैं? उल्फा की गतिविधियां बढ़ रही हैं, उन पर कोई कंट्रोल नहीं हो पाया है तथा बोडोज के साथ जो बातचीत चल रही थी वह भी सफल नहीं हो पाई है।

चाहे एग्रीमैंट सफल नहीं हो पाया और बोड़ो दोबारा खड़े हो गए तथा बोडोलैंड की मांग करने लगे। इस मामले में असम सरकार का जो रूख रहा, वह आप सब को मालूम है। यह सच है कि जब एग्रीमैंट हुआ तो १० किलोमीटर की बैल्ट पर बोडोलैंड वहां के लोगों ने मांगा था। वह उसे नहीं कर पाए तो उन्हें यकीन हो गया था कि यह ऑटोनमी देने को राजी नहीं हैं चाहे वह केन्द्र सरकार हो या राज्य सरकार हो। उस समय राज्य सरकार ने इसका विरोध किया था। आज हालत यह है कि बोडो दोबारा बंदूक लेकर खड़े हो गए हैं। यह बहुत चिंता की बात है कि असम में और खास तौर से एडजॉयनिंग स्टेट त्रिपुरा में हालत बिगड़ी है। ग़ृह मंत्री जी इस पर ध्यान देंगे। जो फीगर्स असम के ऑपोजिशन लीडर ने दी है, वह आपकी फीगर्स से अलग हैं। उनका कहना है

"Extremists killed in encounter with Army and other security forces from 1996 to November 1998 -- about 4213; kidnapping -3597; and rape cases -- 1750."

स्टेटमैंट में कहा गया है कि डिटिरिएशन नहीं है। असम के मुख्यमंत्री ने जो बयान दिया है उससे लगता है कि हालत खराब है।

मुझे दो बातें कहनी हैं। नॉर्थ ईस्ट एक सैंसटिव एरिया और स्टेट है। हर सरकार की यह कोशिश रही है कि वह इलाका मेन स्ट्रीम से जुड़े। मुझे इस बात की खुशी है कि प्रधान मंत्री जी असम गए। उन्होंने एक बयान दिया कि वहां की इकोनमिक स्थिति सुधारी जाएगी और प्लानिंग कमीशन के फार्मूले में बदलाव लाया जाएगा लेकिन जब तक पालिसी एफेक्टिव नहीं होगी, उनकी समस्याओं को समझ कर कदम नहीं उठाए जाएंगे तब तक हालत में सुधार नहीं आएगा। मेरा सुझाव है कि असम और खास तौर से नॉर्थ ईस्ट में एक ऑल पार्टी टीम जानी चाहिए जिससे उन्हें लगे कि वहां जो किलिंग्स हो रही हैं, उनके बारे में संसद में चिंता हो रही है। सरकार और संसद को इस मामले में चुप नहीं बैठना चाहिए। एक डैलिगेशन बनाया जाए और वह इन प्रदेशों में जाए। वह इसमें आपकी सहायता कर सकता है। सच्चाई सब के सामने आनी चाहिए। इससे अध्यक्ष महोदय, हाउस को और आपको सहायता मिलेगी। इससे कठोर कदम उठाए जा सकेंगे। इस मामले में एकाउंटेबिल्टी दिखाई नहीं दे रही है। किसी भी सिस्टम में एकाउंटेबिल्टी तब तक नहीं आती जब तक रिजल्ट ऑरियंटिड एप्रोच नहीं होती चाहे वह नॉर्थ ईस्ट की बात हो, कश्मीर की बात हो। मैं कश्मीर के बारे में दबी जुबान से कहना चाहता हूं कि होशियार रहने की जरूरत है। जैसा प्रॉपेगैंडा चल रहा है, जिस तरीके से प्रशासन द्वारा ढील बरती जा रही है, शायद आपको पता है या नहीं लेकिन बहुत से मंत्री कश्मीर में अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में जा नहीं पाए हैं। हमें उम्मीद थी कि सरकार चुनी जाएगी तो वह लोगों से मिलेगी। वह उनके सुख-दुख में शामिल होगी लेकिन यह चीज वहां नहीं हो रही है। उम्मीद है कि ग़ृह मंत्री जी फीगर्स पर नहीं जाएंगे, वह वास्तविकाता को देखते हुए कठोर कदम उठाएंगे। विदेश मंत्री ने हॉट पर्सूट कह कर कहा कि हमारी ऐसी कोई पालिसी नहीं है। आप इस कनफ्यूजन को दूर करें। आप हॉट या कोल्ड परस्यू करें लेकिन इस बीमारी को खत्म करें। यही मेरी आपसे प्रार्थना है।

... (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I have got names of six to seven Members seeking clarifications. I cannot do that.

... (Interruptions)

प्रो. प्रेम सिंह चन्दूमाजरा (पटियाला) : मंरी ग्रह मंत्री जी से प्रार्थना है कि वह एक सुधार करें। स्टेटमैंट में सिख एक्सट्रीमिस्टस लिखा है। इसका यह प्रभाव पड़ता है कि सारा सिख सम्प्रदाय एक्सट्रीमिस्टस है।

... (व्यवधान)

DR. SUBRAMANIAN SWAMY (MADURAI): Yes, he cannot say Sikh Extremists... (Interruptions)

SHRI L.K. ADVANI: I can say that `Extremists in Punjab'. I am sorry... (Interruptions)

प्रो. प्रेम सिंह चन्दूमाजरा (पटियाला): ग्रह मंत्री जी इस बारे में निर्देश दें।

... (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please, let him give clarification. Please resume your seat. Do not interrupt, please.

... (Interruptions)

SHRI ABDUL HAMID (DHUBRI): Sir, this is a very serious matter... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I cannot permit you. The rules do not permit me. How can I do that? It is a Calling Attention Motion, clarifications can be sought by the Member whose name is there on that.

... (Interruptions)

KUMARI MAMATA BANERJEE : Sir, it is a very sensitive matter, please allow, at least, three-four Members to speak on this... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: It is not possible. Seven clarifications are sought, it cannot be converted into a discussion. As per rules, I cannot do that.

... (Interruptions)

SHRI BHUBANESWAR KALITA (GUWAHATI): Sir, my point is different.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Your point cannot be brought within this Calling Attention Motion.

... (Interruptions)

SHRI L.K. ADVANI: Mr. Deputy-Seaker Sir, yesterday, apart from this Calling Attention notice that has been given by Shri Rajesh Pilot, the issue of recent bomb blasts in Assam was raised by several hon. Members. In response to which I had said that I would be making a statement on that. If you permit me, I make a statement on that right now.

Then, I also simultaneously deal with the points raised by Shri Rajesh Pilot. (Interruptions).

KUMARI MAMATA BANERJEE : Recently the Lucknow Police went to Calcutta. They killed four terrorists who were involved in ISI activities. They were operating from Calcutta. So, please let us know the details. (Interruptions).

श्री लाल कृष्ण आडवाणी: उपाध्यक्ष जी, आप इस बात को स्वीकार करेंगे कि मैं कालिंग अटेंशन का उत्तर देते हुये अपने को असम तक सीमित नहीं कर सकता था। मैंने जम्मू कश्मीर की बहुत सारी घटनाओं का जिक्र नहीं किया। मैं बोडो के बारे में कह रहा हूं कि यह बात सही है और मैं वहां की स्थिति के बारे में जानता हूं। जब मैंने पूरे देश की आंतरिक स्थिति की सुरक्षा के बारे में वक्तव्य दिया तो स्वाभाविक रूप से मुझे कई पहलुओं पर कहना था। चूंकि असम में अभी-अभी दो बम बलास्टस हुये हैं, इसलिये उनके बारे में मैंने अलग से वक्तव्य दिया अन्यथा मैं जानता था कि....

SHRI E. AHAMED (MANJERI): Let there be a comprehensive statement. (Interruptions).

MR. DEPUTY-SPEAKER: Let him complete.

... (Interruptions)

SHRI RAJESH PILOT (DAUSA): Let us be factual. Yesterday the Minister of Home Affairs had agreed that he would make a statement on the situation in Assam separately. Today he has made a statement about the bomb blast on the l8th at Kokrajhar where 20 minority people were killed. He could have included that situation also in his statement. He has spoken on Assam. He said yesterday that he would give a statement on Assam. What they are saying is right. This is away from the Calling Attention. Yesterday he made a commitment. He could have enlightened them about the Kokrajhar incident also today. In Kokrajhar 20 Muslims were killed.

SHRI E. AHAMED : The statement of the Minister of Home Affairs is very vague. ... (Interruptions)

SHRI P. UPENDRA (VIJAYAWADA): The statement of the Minister of Home Affairs is very sketchy. For example, in Andhra Pradesh the law and order situation is very bad. The ISI activities are on the increase. There are political killings daily.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Upendra, the Calling Attention deals only with the North-East.

SHRI L.K. ADVANI: No; it is not dealing with only the North-East. It is about the North-East Jammu and Kashmir and the overall deteriorating condition of the internal security.

आप कहेंगे तो मैं बता सकता हूं। मैं स्वयं जानता हूं। जैसे अभी-अभी आंध्र प्रदेश के बारे में कहा गया, वैसे हर प्रदेश के लोग कह सकते हैं। ममता जी ने बंगाल के बारे में कहा।

... (व्यवधान)

हमारे यहां की घटना का उल्लेख नहीं है, यह हर सदस्य कह सकता है। सभी घटनाओं का उल्लेख करना संभव नहीं है लेकिन चूंकि असम की चर्चा कल हुई, इसलिए मैंने दो बम ब्लास्टस का ज़िक्र किया। मेरे पास कई घटनाओं की सूचना है। एक एक घटना का ज़िक्र करूं तो पूरा पुलिन्दा बन जाएगा। मुझे आपत्ति नहीं अगर कल ही असम पर चर्चा हो जाए।

... (व्यवधान)

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY (PURI): We are also raising the issue about Orissa.

SHRI BIJOY HANDIQUE (JORHAT): The Balsipur incident took place long after the Guwahati incident. He should have spoken about the Balsipur incident also.

SHRI RAJESH PILOT : Our plea is that on the l8th in Kokrajhar 20 people were killed. He gave a statement about the bomb blast near the Secretariat. My colleagues are saying that a comprehensive statement could have been made on Assam. That is all they are saying. They are not saying anything else. What they are saying is, tomorrow the hon. Minister, if he feels like, may tell us about the situation in Assam about the subsequent bomb blasts; sequentially bomb blasts are taking place. (Interruptions)

श्री लाल कृष्ण आडवाणी : देखिये, मेरे पास १२ तारीख की सूचना है कि कुछ बोडो और मुसलमान भाइयों के बीच झगड़ा हुआ जिसके कारण कई लोग मारे गए। १२ तारीख के बाद कल तक किसी ने मामला नहीं उठाया, लेकिन कल जब उठाया गया

... (व्यवधान)

SHRI SANSUMA KHUNGGUR BWISWMUTHIARY (KOKRAJHAR): This is about the incident that took place at Kokrajhar where 20 Muslims of Bodoland were killed.

SHRI L.K. ADVANI: Yesterday I was not even able to hear because so many people were shouting. Ultimately I was told that it was about the bomb blast. Therefore, I said that I would find out the facts in that regard and come here. And, therefore, I have come. That was the statement made about the internal security climate, particularly

about Jammu and Kashmir and the North-East. I have made certain pertinent observations in which I have conceded that so far as Assam is concerned, the situation is worsening.

SHRI P. UPENDRA : It does not reflect the law and order situation in the country. It is very sketchy and unsatisfactory. He should make a comprehensive statement or you please allow a full-fledged discussion on the law and order situation in the country.

श्री के.डी.सुल्तानपुरी (शिमला): कश्मीर का मामले के बारे में तो बता दिया लेकिन हिमाचल प्रदेश में जो उग्रवादी आ रहे हैं उस बारे में मंत्री जी बताएं कि वह क्या कर रहे हैं?

... (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Sultanpuri, can anybody stand up and speak?

श्री लाल कृष्ण आडवाणी : उपाध्यक्ष जी, राजेश जी ने जो बातें कही हैं, उनमें एक बात उन्होंने बड़े बल से कही कि जम्मू-कश्मीर में ऊपर-ऊपर से भले स्थिति सुधरती हुई दिखती हो, लेकिन इनफिलट्रेशन बढ़ रहा है और अंदर से स्थिति विस्फोटक है। इसके बारे में सावधानी बरतनी चाहिए। मैं मानता हूं कि स्थिति सुधरी है और स्थिति सुधरने के जो लक्षण हो सकते हैं, मैंने कई बार पहले कहे हैं, फिर से दोहराना नहीं चाहता हूं। दस साल पहले जो प्रदेश हमारा सबसे बड़ा टूरिस्ट सेन्टर थ, वह पिछले दस सालों से बंद था। वहां पर टूरिज़म पर जितने लोग रोज़गार पा रहे थे, वह रोज़गार खत्म हो गए थे। हाउस बोटस, होटल्स, रेस्टोरेण्टस सब खत्म हो गए थे और १९८९ के बाद पहला साल है जब १९९८ में इतनी बड़ी संख्या में टूरिस्ट वहां गए हैं।

... (व्यवधान)

कोई ताली बजाने की ज़रूरत नहीं है।

... (व्यवधान)

जम्मू-कश्मीर में जो गतिविधियां हैं वे जम्मू-कश्मीर तक सीमित नहीं हैं ... (व्यवधान) मैंने इसीलिए अपने वक्तव्य में स्थिति में सुधार की चर्चा की है, उसका अंतिम वाक्य यह है -

But the support from Pakistan for the terrorists and for the foreign mercenaries, however, continues undiminished.

मैंने उस पर बल दिया है कि पाकिस्तान के इरादों में तनिक भी परिवर्तन नहीं है, वह लगातार अपने कामों को लागू किये हुए हैं। आपने हॉट परसूट की बात कही, वह बात मैंने सरकार से बाहर विपक्ष के एक व्यक्ति के नाते कही थी। तब मेरी बड़ी आलोचना हुई थी। लेकिन वह आज से कुछ साल पहले का समय था जब हॉट परसूट की स्ट्रैटेजी इतना डिस्टर्बेन्स होने के बाद सफल होती। कई सारी और गतिविधियां बढ़ने के बाद मैंने जब पहले-पहल जम्मू-कश्मीर के बारे में कांफ्रेन्स की थी, जिसमें सेना के चीफ भी थे, वहां के मुख्य मंत्री भी थे, वहां के राज्यपाल भी थी, हमारे प्रतिरक्षा मंत्री भी थे, जब मुझसे पूछा गया कि आप क्या पॉलिसी चाहते हैं तो मैंने कहा अब मैं बल दूंगा

That we have to be proactive.

लोगों ने पूछा कि प्रो-एक्टिव का मतलब क्या हॉट परसूट है? मैंने कहा नहीं, आज के संदर्भ में हॉट परसूट की पॉलिसी भारत सरकार एडवोकेट नहीं करती और उसी बात को अभी-अभी जॉर्ज फर्नांडीस ने दोहराया। यह सोचना कि जॉर्ज फर्नांडीस ने एक बात कही और मैंने दूसरी बात कही, ऐसा नहीं है। मैंने कोई बात छः साल पहले कही तो मैं समझता हूं कि छः साल पहले वह उपयुक्त थी, लेकिन आज उपयुक्त नहीं है। उसके कई कारण हैं

... (व्यवधान)

हां, वह आपकी राय हो सकती है। कांग्रेस पार्टी जोर से इस बात को कहे तो बहुत अच्छा होगा।

श्री राजेश पायलट : यह तो आपने होम मिनिस्टर बनने के बाद कहा।

श्री लाल कृष्ण आडवाणी: मैंने हॉट परसूट की बात कभी नहीं कही।

श्री अजीत जोगी : आपने प्रो-एक्टिव तो कहा था।

श्री लाल कृष्ण आडवाणीः जम्मू-कश्मीर के संदर्भ में पायलट जी ने जो बातें कहीं हैं उसमें असावधानी की कोई गुंजाइश नहीं है, रत्ती भर भी गुंजाइश नहीं है। उनका इरादा ज्यों का त्यों है। इतने सारे हथियार वहां आये हैं और भी बहुत सी चीजें आई हैं, ये सब आज ही नहीं आये हैं, पहले भी आते रहे हैं। यदि आज हमने कुछ किया है तो इन हथियारों का सार्वजनिक प्रदर्शन करके देश भर में जागृति पैदा करने की कोशिश की है। यह कोई मामूली मिलिटेन्सी नहीं है

This is real war. This is proxy war in the real sense of the word.

इतनी सारी एंटी एयरक्राफ्ट गन्स वहां मिली हैं और अभी आपने जिस बात का जिक्र किया कि माइक्रो लाइट फ्लाइंग बॉम्ब आदि वे सारी बातें आपके सामनें हैं। उनके पास जैसे-जैसे सुविधाएं आती हैं, वे ऐसा ही करते हैं। अफगानिस्तान से उन्हें कुछ मिल गया, वे यहां भेज देते हैं। यदि कोई अच्छा लक्षण है तो मैं इंसीडेन्टस से ज्यादा इस बात को मानता हूं कि पिछले दिनों जितने उग्रवादी पकड़े गये या मारे गये, उनमें जम्मू-कश्मीर में काफी कम हैं। अधिकांश लोग फॉरेन मर्सिनरीज हैं, यह एक अच्छा लक्षण है। इसका मतलब यह है कि लोकल रिक्रूटमैंट कम होता जा रहा है। लोकल रिक्रूटमैंट कम होने का मतलब यह है कि वहां की जनता उग्रवादियों से दूरी बना रही है इससे बड़ी सफलता और कोई नहीं हो सकती, यह सबसे बड़ी सफलता है। मैं ऐसा नहीं कहता कि यह मेरी सरकार का गेन है

It is the process that has been going on.

इस वर्ष १९९८ में वहां टूरिज्म का ट्रैफिक बढ़ना सबसे बड़ी बात रही, टूरिज्म से जो उनका रोजगार चलता है, उस रोजगार का प्राप्त होना।

उपाध्यक्ष महोदय, नॉर्थ ईस्ट में कुल मिलाकर सात स्टेटस हैं, आठवां सिक्कम अभी-अभी जुड़ गया है। इन आठ स्टेटस में से चार स्टेटस में अपेक्षाकृत उग्रवाद नहीं है। मेघालय में नहीं है। अभी-अभी मैं मिजोरम गया था, मिजोरम में वर्षों से बिल्कुल नहीं है। मिजोरम, मेघालय सिक्किम और अरुणाचलप्रदेश ... (व्यवधान)

I know that.

इन चार स्टेटस में उग्रवाद नहीं है। बाकी जिन चार स्टेटस में है, वह मैंने स्वयं अपने वक्तव्य में स्वीकार किया कि आसाम और त्रिपुरा में इस साल बढ़ा है, बाकी दो में डिक्लाइन हुआ है। मैने फीगर्स भले ही सबकी दी हैं, त्रिपुरा की भी दी हैं, लेकिन मैंने दोनों में कहा है कि इनमें इनक्रीज्ड वॉयलेन्स है और भारत सरकार आसाम और त्रिपुरा के मुख्य मंत्रियों और गवर्नरों से लगातार सम्पर्क में रहती है और कोऑर्डीनेटिड एफर्ट वहां उग्रवाद को रोकने के लिए चला है।

उपाध्यक्ष महोदय, इनफिल्ट्रेशन जारी है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह एक मेजर प्रॉब्लम है। उसको साल्व करने के लिए जो-जो कदम उठाए जाने चाहिए वे हम उठाते रहे हैं। मैंने इसीलिए पूरे संदर्भ में कहा है- '

Saying that the situation has deteriorated on the whole in respect of the internal security climate, is not correct."

चूंकि इंटरनैशनल सिक्योरिटी के क्लाइमैक्स में नक्सलवाद का प्राब्लम भी आता है, भले ही आप मुझसे सहमत न हों, लेकिन मैं मानता हूं कि पिछले दिनों आन्ध्रप्रदेश की सरकार ने जो कदम उठाए हैं, उसके काफी अच्छे परिणाम निकले हैं।

... (व्यवधान)

SHRI P. UPENDRA : No. Even day before yesterday, one ex-MP was killed by Naxalites. There are political murders everyday. Ex-MLAs and ex-MPs are being killed. How can he say that there is an improvement? This is not correct. The Union Government is turning the Nelson's Eye to the law and order situation in the States ruled by the supporting parties. Whether it is Maharashtra, Andhra Pradesh or Assam, they are turning the Nelson's Eye. They send Central Teams to Tamil Nadu and West Bengal but they do not send a Central Team to Andhra Pradesh.

श्री लाल कृष्ण आडवाणीः उपेन्द्र जी, जो बात आप कह रहे हैं, वह आपका अपना दृष्टिकोण है, लेकिन मैं यह मानता हूं कि आज से तीन-चार महीने पहले जो प्रदेश नक्सलवाद की समस्या से ग्रस्त थे, उन सब को इकट्ठा करके, उनके साथ चर्चा करके वहां के डी.जी. पुलिस से चर्चा कर के एक कोआर्डीनेशन कमेटी बनाई गई, जो रैगुलर मॉनिटर करती है, मिलती रहती है। मेरा अनुमान है कि इसके कारण मध्यप्रदेश, उड़ीसा, आन्ध्रप्रदेश और महाराष्ट्र में स्थिति में सुधार हुआ है। बिहार में केवलमात्र नक्सलवाद की स्थिति नहीं है। उसमें एक आयाम और है, वहां एक और पहलू भूमि सुधार से संबंधित है।...(

Interruptions)

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY : Sir, there is no law and order in Orissa...(Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: What is this? Let him answer. Please do not interrupt like this. Let him complete.

श्री लाल कृष्ण आडवाणीः उपाध्यक्ष जी, इस सदन को स्वीकार करना होगा कि यहां इस समय हम राज्यों को डिसकस नहीं कर रहे हैं।

... (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I am on my legs. Please take your seats.

... (Interruptions)

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY : Sir, we draw the attention of the Home Minister to the deteriorating law and order situation in Orissa...(Interruptions).

श्री लाल कृष्ण आडवाणीः उपाध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से सदन से अनुरोध करना चाहूंगा कि यहां पर जब हम कानून और व्यवस्था या आन्तरिक सुरक्षा की स्थिति की चर्चा कर रहे हैं, तो हम एक-एक राज्य की चर्चा नहीं कर सकते और न मैं उसका उत्तर दे सकता हूं। जो-जो मूल समस्याएं हैं उनके संबंध में केन्द्र सरकार ने अपनी जवाबदारी निबाही है या नहीं या केन्द्र सरकार पूरा सहयोग राज्य सरकार को करती है, उसके बावजूद स्थिति में सुधार नहीं होता है, तो हम उसको और सहायता देंगे, लेकिन मूल रूप से कानून और व्यवस्था का दायित्व राज्य सरकार का है और यहां पर एक-एक सदस्य खड़े होकर एक-एक राज्य की चर्चा करें, तो वह ठीक नहीं है।

उपाध्यक्ष जी, मैं बताना चाहता हूं कि सरकार का अपनी ओर से नक्सलवाद और सांप्रदायिक समस्या की ओर ध्यान गया है और इसलिए मैंने उसका भी जिक्र किया है कि १० साल पहले जो साम्प्रदायिक घटनाएं और हिंसाएं हुई हैं उनके मुकाबले वर्ष १९९८ में सबसे कम घटनाएं और हत्याएं हुई हैं। इस पर मुझे विशेष संतोष है और इसलिए उस दिन जब यहां साम्प्रदायिक हिन्सा पर चर्चा हुई थी, तो मैंने उसका विस्तार से जवाब दिया था।

उपाध्यक्ष जी, कुछ बातें राजेश जी ने कही हैं। उनमें नागालैंड की सीज फायर के संबंध में कहा गया है। नागालैंड में सीज फायर के कारण हिंसा कम हुई है और इसके कारण वहां की जनता को कुछ राहत मिली है।

सीज फायर के कारण एक्सटोर्शन आदि की घटनायें खत्म हो गई हैं, यह मैं दावा नहीं करूंगा। एग्रीमैंट में जितने भी सीज फायर के गाइडलाइन बनते हैं, उनका पालन ठीक प्रकार से हो, इस दृष्टि से हम वहां की सरकार को और जो लोग सीज फायर की चर्चा करने के लिए आते हैं, उनसे लगातार वार्ता करते रहते हैं। मैं उनसे कह सकता हूं कि

सरकार इस बारे में भी सतर्क है कि सीज फायर का उपयोग कोई हथियार इकट्ठा करने के लिए न करे, इस के प्रति हम सतर्क हैं। यद्यपि जो आशंकाएं प्रकट की जाती हैं, वे सर्वथा बेबुनियाद हैं, ऐसा मैं नहीं कहूंगा।

श्री मोहन सिंह : आज के अखबार में बकायदा एक्सटोर्शन की खबरें और उसके द्वारा दी गई फिरौती की रसीदें अखबारों में छपी हैं।

... (व्यवधान)

श्री लाल कृष्ण आडवाणीः मैं जानता हूं।

... (व्यवधान)

श्री मोहन सिंह : आपकी पार्टी के राज्य सभा के एक सदस्य ने कहा है कि जो सीज फायर है

... (व्यवधान)

वह पूरे हिन्दुस्तान में है।

... (व्यवधान)

श्री लाल कृष्ण आडवाणी: आपके कहने से पहले ही मैं इस बात को स्वीकार कर रहा हूं कि एक्सटोर्शन की समस्या गंभीर समस्या है और वह गंभीर समस्या आज से शुरू नहीं हुई है। वह काफी समय से कई क्षेत्रों और प्रदेशों में चालू है लेकिन हमारी तरफ से सतर्कता है। अगर आप आसाम के बारे में जानकारी चाहेंगे तो मैं उस पर कल बयान दे दूंगा।

... (व्यवधान)

मुझे कोई आपत्ति नहीं है।

... (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : ठीक है, आप कल दे दीजिए।

... (व्यवधान)

SHRI BHUBANESWAR KALITA (GUWAHATI): Sir, we are not at all satisfied with the statement of the hon. Minister. ....(Interruptions)

_____

13.57 hrs.

CALLING ATTENTION TO A MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

Deteriorating Condition of Internal Security in the Country

especially the recent killings in North East and Jammu & Kashmir--contd.

SHRI RAJESH PILOT (DAUSA): Sir, the real idea was not just to give a statement and listen to his statement. That was not the idea. The whole House would agree with me that the situation is deteriorating in the North-East today. If the Home Minister says that it is improving, we can believe him.

श्री कांतिलाल भूरिया (झाबुआ) : उपाध्यक्ष महोदय, ईमानदारी से सारी बातें आनी चाहिए।

... (व्यवधान)

इसके विरोध में हम वाकआउट करना चाहेंगे।

... (व्यवधान)

SHRI RAJESH PILOT : But look at the perception of the North-East. We were expecting that he would come out with effective measures. He has not talked about the track. I have told him that ammunition is coming from Cox Bazar. I have told him that the situation in Nagaland is deteriorating and extortion is on. He says `

हम सतर्क हैं'.

Satark is not the solution. The House would like to know what effective measures he is going to take about it. On Kashmir, he has explained many things, but he has not talked about infiltration. He has to tell the measures taken. ....(Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Whatever he wanted to say, he has already stated.

... (Interruptions)

SHRI RAJESH PILOT : What are the measures he is taking? ....(Interruptions) It is not correct. ....(Interruptions) What is the use of Calling Attention. He must satisfy the House that these are the effective measures taken by the Government for future. He is not saying anything about that. Does he agree that Assam is happy? .... (Interruptions)

SHRI BHUBANESWAR KALITA (GUWAHATI): He must tell what measures he has taken. ....(Interruptions)

SHRI RAJESH PILOT : He must tell us something about what he is doing about it. We were not happy. That is why, we raised a Calling Attention.

MR. DEPUTY-SPEAKER: You may not be happy, but he has already stated this.

... (Interruptions)

SHRI RAJESH PILOT : He has not stated the measures taken. ....(Interruptions) You speak, we speak and sit down here. That is all. MR. DEPUTY-SPEAKER: For your clarification, he has already stated whatever he wanted to state.

SHRI RAJESH PILOT : Is the situation happy there? Law and order is bad and bomb blasts are taking place. The situation in Nagaland is also bad. He says that he is happy about it. ....(Interruptions) He must come out with some measures. ....(Interruptions)

श्री कांतिलाल भूरिया : उपाध्यक्ष महोदय, लॉ एंड आर्डर की प्राब्लम बहुत जबरदस्त बनी हुई है

... (व्यवधान)

देश की जनता को यह सरकार गुमराह कर रही है। ... (व्यवधान) आये दिन हत्यायें हो रही हैं।

... (व्यवधान)

SHRI RAJESH PILOT : This is not the way. ....(Interruptions) Hon. Prime Minister has given a statement in Guwahati. Hon. Prime Minister also spoke in Parliament. (Interruptions) Hon. Prime Minister himself gave a statement. ....(Interruptions)

14.00 hrs.

गृह मंत्री (श्री लाल कृष्ण आडवाणी) : उपाध्यक्ष जी, श्री राजेश पायलट ने अपने वक्तव्य में सारी बातें कहने के बाद एक बहुत ही अच्छा सुझाव दिया। वह यह है कि नोर्थ ईस्ट के बारे में सारी संसद चिन्तित है, देश चिन्तित है और नोर्थ ईस्ट की स्थिति को देखने के लिए और वहां के लोगों को आश्वस्त करने के लिए कोई पार्टी और सरकार का सवाल नहीं है, सब की सब पार्टीज़ इसमें

मैं सरकार की ओर से कहना चाहता हूं कि इसके लिए सरकार तैयार है कि नोर्थ ईस्ट में एक ऑल पार्टी डैलीगेशन जाये, जो वहां की स्थिति का आकलन करे।

... (Interruptions)

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY (PURI): What about Orissa? There is no law and order in Orissa. ... Interruptions)

SHRI RAJESH PILOT : I am very happy to hear what the hon. Home Minister said. But what I was pleading with you, hon. Deputy-Speaker, Sir, is that this House would like to know about the steps taken by the Government to solve this problem. Delegations would not solve the problem. I have requested to Home Minister to tell us what effective measures he has taken to control the problem in the North-East, especially in Assam. Everyday, there is a bomb blast there. We want an assurance on that also.

SHRI L.K. ADVANI: The delegation would guide me in this regard.

SHRI RAJESH PILOT : He has to assure the House by informing us about the effective measures which the Government will take. The State Government has been demanding for paramilitary forces. Has he given the paramilitary forces to the State Government? They are asking for modernisation of weapons in the North-East. In the North-East, still, they are functioning with .303 rifles. The Home Minister has not touched that point. I am saying that the weapons have to be modernised. The Home Minister says, "

हम सतर्क हैं।'

But he he is not talking about modernisation of weapons. Our policemen are fighting with .303 rifles whereas the militants are fighting with AK-47 rifles. The Home Minister has not paid any attention to that. So, he has to say something positive on that. ... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: What is happening? Please go back to your seats. I will hear you, please go back to your seats.

... (Interruptions)

SHRI RAJESH PILOT : Sir, we are walking out because he has not given any assurance.

14.02 hours

(Shri Rajesh Pilot and some other hon. Members then left the House.)

SHRI E. AHAMED : Sir, in protest, we are also walking out.

14.02-1/4 hrs.

(Shri E. Ahamed and some other hon. Members then left the House.)

... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: So far as item Nos. 23, 24 and 25 are concerned, a discussion is being held in the chambers of the hon. Speaker. We can take up item No. 26.

... (Interruptions)

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY : Please allow me to speak for some time.

MR. DEPUTY-SPEAKER: I will allow only one of you to speak.

SHRI BHARTRAHARI MAHTAB (CUTTACK): Sir, in Orissa, there is a serious law and order problem. Five thousand tribals have revolted against the callous attitude of the Orissa Government. There are history-sheeters who have been protected by the Congress Government in Orissa. The tribal people who were going to Mumbai, after mortgaging their land, to earn their livelihood have been looted repeatedly. Still, the Government did not arrest anyone. When the tribal people revolted, then only two persons were apprehended and put behinds the bars. But no action was taken against the group, which was getting the protection of the Government. It happened in Udaigiri and Ramgiri in Gajapati District. After that, the tribal people revolted on 8th December. They broke through the jail and killed two people. One person fled away from the jail and he was apprehended at a different village. Mr. Deputy-Speaker, Sir, after they caught hold of that person, they brought the dead body and also another person to the police station and then they were burnt alive. Even after that, no action has been taken. The tribals, apprehending serious breach of law and order, fled the villages. Two weeks after this incident, another village has been put on fire. There is a serious apprehension of breach of peace.

In Bhubaneshwar today, a Cabinet Minister opened fire in a hotel. No action has been taken so far.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Hon. Member, I heard you. Kindly sit down.

... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Will you please sit? I am on my legs. Please sit down.

SHRI BHARTRAHARI MAHTAB : A news item has been telecast in Zee news.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please sit down.

SHRI KHARABELA SWAIN (BALASORE): Sir, you should allow me also to speak.

MR. DEPUTY-SPEAKER: What is this? There is a limit. All of you are new Members. You should know the rules.

The Calling Attention was taken up and the hon. Minister replied to it. Clarifications were sought and the Minister replied to them also. The hon. Member who spoke just now was talking about law and order situation in Orissa. The Calling Attention was not on the law and order situation, it was on the deteriorating condition of the overall internal security in the country. Therefore, let there be no interruptions now. We will have to transact the business of the House.

Let us take up Item No.26 now.

SHRI AJIT JOGI (RAIGARH): Sir, what about Item No.24. There is no dispute regarding creation of Chattisgarh. Let that Bill be introduced.

...(Interruptions)

छत्तीसगढ़ के बारे में बिल यहां रखा जाए

... (व्यवधान)

प्रधान मंत्री जी यहां बैठे हैं। इन्होंने वहां एक वोट से दो राज्य की बात कही थी, लेकिन वह राज्य नहीं बना रहे हैं

... (व्यवधान)

अपने वादे से मुकर रहे हैं।

... (व्यवधान)

एक नहीं, वहां जितनी भी मीटिंग्स इनकी हुई थी, इन्होंने यह कहा था

... (व्यवधान)

श्री दत्ता मेघे (नागपुर): विदर्भ राज्य के बारे में भी चर्चा होनी चाहिए ... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Please take your seats.

... (Interruptions)

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY : Mr. Deputy-Speaker, Sir, we want the response of the Government.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Tripathy, please sit down. We have a lengthy List of Business for today. We will have to transact a lot of business.

... (Interruptions)

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY : Sir, we want the response of the Government. You please ask the Home Minister to respond. ...(Interruptions) This is a serious issue. The Government is remaining silent. ... (Interruptions) We want a Parliamentary delegation to be sent there.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Tripathy, please take your seat.

... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Braja Kishore Tripathy, please take your seat.

... (Interruptions)

KUMARI KIM GANGTE (OUTER MANIPUR): Mr. Deputy-Speaker, may I speak for a minute?

MR. DEPUTY-SPEAKER: I am on my legs, Madam. Please resume your seat.

... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I have to inform the House as to why we are not taking up item no. 23, 24 and 25. Regarding these matters, the hon. Speaker is holding a meeting with the leaders in his Chamber. Afterwards, we will take them up.

... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Hon. Members, when these matter come up, then you talk about them. Please take your seats now.

... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Will you please allow me to conduct this House, Shri Braja Kishore Tripathy?

... (Interruptions)

श्री विलास मुत्तेमवार : यहां बोलकर जाते हैं और प्रधान मंत्री बनने के बाद भूल जाते हैं, देश के प्रधान मंत्री से ऐसी उम्मीद नहीं है।

... (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: This is not the way to conduct the House. I am sorry. The senior Members should not behave like this.

... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nobody can conduct the House like this.

... (Interruptions)

श्री विलास मुत्तेमवार : आपकी पार्टी के सब लोगों ने बोला था, आपने खुद बोला है। प्रधान मंत्री बोलकर गये, रक्षा मंत्री बोलकर गये थे।

... (व्यवधान)

झूठा आश्वासन आप कब तक देंगे।

... (व्यवधान)

देश इस तरह से कैसे चलेगा?

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Vilas Muttemwar, you are a senior Member. Please take your seat.

... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Where is the question of Vidarbha now? Where is the item on Vidarbha in the List of Business?

... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Will you allow me to conduct the House?

... (Interruptions)

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY: Mr. Deputy-Speaker, you please direct the Government to respond.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Tripathy, I cannot compel the Government to respond. SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY : Sir, the Government should respond (Interruptions)